दिल्ली पब्लिक स्कूल, जम्मू

सत्र 2020 - 2021

आधारशिला अभ्यास कार्य पत्र - 1

विषय - हिंदी **कक्षा - नवीं**

अनुस्वार (बिंदु)

अनुस्वार एक व्यंजन ध्वनि है। इसके उच्चारण में नाक से अधिक सांस निकलती है और मुख से कम। जैसे अंक, अंश, पंच आदि अनुस्वार की ध्वनि प्रकट करने के लिए वर्ण पर बिंदु लगाया जाता है। अनुस्वार को वर्णमाला का पंचम वर्ण कहा जाता है। अनुस्वार का प्रयोग पंचम वर्ण के स्थान पर किया जाता है। जैसे **ङ, ञ, ण, म, न** के स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग किया जाता है।

उदाहरण -

अंग (अङ्ग), अंचल (अञ्चल), पाखंड (पाखण्ड)

प्रश्न 1 निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार लगाइए -

गगा, चचल, ठडा, सपादक, सध्या, बधन, ससार, सगति, महगाई, असभव, कचन

अनुनासिक या चंद्रबिंदु

अनुनासिक का प्रयोग उच्चारण की उस अवस्था में होता है, जब मुंह और नाक दोनों से हवा निकले। लेकिन नाक से बहुत कम और मुंह से अधिक सांस निकलती है, इन्हें चंद्रबिंदु भी कहते हैं।

जैसे - दाँत, आँख, चाँद आदि

प्रश्न 2 निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक लगाइए -

दवाइया, नदिया, बहुए, परेशानिया, आवला, विधिया, बाध, महिलाए, गाधी, कहा, आख

नुक्ता

हिंदी में अंग्रेजी, अरबी, फारसी, उर्दू भाषा के कुछ शब्दों के व्यंजनों के नीचे लगने वाली विधि नुक्ता कहलाती है। हिंदी में इसे पाद बिंदु कहा जाता है। जैसे - अंग्रेज़ी, फ़ैशन, गज़ल आदि। उर्दू की **क, ख़, ग़, ज़, फ़** ध्वनियां हिंदी की ध्वनियों से भिन्न है। नुक्ते का प्रयोग केवल पाँच ही व्यंजन वर्णों में होता है- **क़, ख़, ग़, ज़, फ़**।

प्रश्न 3 निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता लगाइए -

मरीज, इज़्जत, फोटो, जबरदस्ती, खिलाफत, फकीर, फरमान, फिज़ूल, बिजली, शुक्रिया, तकनीक

वर्ण विच्छेद

वर्ण का अर्थ है - अक्षर और विच्छेद का अर्थ है - अलग करना अर्थात् वर्णों को अलग करना वर्ण विच्छेद कहलाता है।

नोट - वर्ण विच्छेद करते समय इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखें कि जिस तरह शब्द का उच्चारण किया जाएगा, ठीक उसी तरह से उसका विच्छेद किया जाएगा। उच्चारण में जो ध्वनि पहले सुनाई दी जाएगी, उसी का ही विच्छेद पहले किया जाता है। जैसे -

उज्जवल - उ + ज् + अ + ज् + अ + व् + अ + ल् + अ

श्रीमान - श् + र् + ई + म् + आ + न् + अ

देवत्व - द् + ए + व् + अ + त् + व् + अ

प्रश्न 4 निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए-

नफरत, विधियां, सूर्य, प्रलय, ट्रैफिक, वैज्ञानिक, श्रम, चांदनी, जिज्ञासा, दुर्गम, आविष्कार

वर्ण मेल

वर्णों का मेल वर्ण मेल कहलाता है। जैसे -

द् + ए + व् + अ + त् + व् + अ - देवत्व

प्रश्न 5 निम्नलिखित वर्णों का मेल कीजिए -

1. अ + न् + उ + म् + आ + न् + अ
2. त् + ऐ + य् + आ + र् + अ
3. श् + र् + उ + त् + इ
4. क् + ओ + य् + अ +ल् + आ
5. च् + आँ + द् + अ + न् + ई
6. श् + र् + ई + म् + आ + न् + अ
7. उ + ज् + अ + ज् + अ + व् + अ + ल् + अ
8. क् + ऋ + ष् + ण् + अ
9. व् + इ + द् + य् + आ + ल् + अ + य् + अ
10. स् + अ + म् + ब् + अ + न् + ध् + अ
11. अ + न् + ए + क् + अ

उपसर्ग

उपसर्ग वे शब्दांश होते हैं जो किसी सार्थक शब्द के पहले लगकर उसके अर्थ को परिवर्तित कर उसे विशेष अर्थ प्रदान करते हैं। जैसे-

नि + योग , पर + लोक

नियोग शब्द में **नि** उपसर्ग है और **योग** मूल शब्द है।

परलोक में **पर** उपसर्ग है और लोक मूल शब्द है।

प्रश्न 6 निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और उपसर्ग अलग कीजिए -

अनुकूल, अमर, दुगुना, दुर्व्यवहार उपनाम, विज्ञापित, परिकल्पना, अत्याचार, अनुभव, अवरोध, अभिवादन

प्रत्यय

प्रत्यय वे शब्दांश होते हैं जो किसी सार्थक शब्द के बाद में लग गए उसके अर्थ को परिवर्तित कर उसे विशेष अर्थ प्रदान करते हैं। जैसे -

मानव + ता, राज + दार

मानवता शब्द में मानव मूल शब्द है और ता प्रत्यय है

राजदार शब्द में मूल शब्द है और दार प्रत्यय है

प्रश्न 7 निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए -

लालिमा, भौगोलिक, हवाई, लिखावट, पर्वतीय, संपादकीय, पल्लवित, समझदार, स्थानीय, गुजराती

संधि

संधि शब्द का सामान्य अर्थ है - मेल। व्याकरण में दो ध्वनियों के मेल से होने वाले विकार को संधि कहते हैं **अथवा** कुछ शब्दों में दो ध्वनियों के आपस में मिलने से एक नया परिवर्तन उत्पन्न होता है, जिसे संधि कहते हैं।

सरल शब्दों में- दो शब्दों या शब्दांशों के मिलने से नया शब्द बनने पर उनके निकटवर्ती वर्णों में होने वाले परिवर्तन या विकार को संधि कहते हैं।

हिम + आलय= हिमालय (यह संधि है), अत्यधिक= अति + अधिक (यह संधि विच्छेद है)

संधि के भेद

वर्णों के आधार पर संधि के तीन भेद है- **स्वर संधि, व्यंजन संधि, विसर्ग संधि**

स्वर संधि - दो स्वरों से उत्पत्र विकार अथवा रूप-परिवर्तन को स्वर संधि कहते है।

जैसे- विद्या + अर्थी = विद्यार्थी, सूर्य + उदय = सूर्योदय, मुनि + इंद्र = मुनीन्द्र

इनके पाँच भेद होते है -

दीर्घ संधि, गुण संधि, वृद्धि संधि, यण संधि, अयादी संधि

प्रश्न 8 निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए -

गिरि + इन्द्र, पितृ + आदेश, भौ + उक, गै + अक, ने + अन, सती + इच्छा, परम + ईश्वर,

महा + ऋषि, रमा + ऐश्वर्य, प्रति + एक, मातृ + इच्छा, परि + आवरण, सु + आगत, भौ + उक, सखी + ऐश्वर्य

प्रश्न 9 निम्नलिखित शब्दों की संधि विच्छेद कीजिए -

रामावतार, दयानंद, नरेंद्र, महर्षि, सदैव, परमौज, परोपकार, न्यून, पर्यावरण, पावन, भावुक, स्वागत

विराम चिह्न

विराम का अर्थ है -'रुकना' या 'ठहरना' । वाक्य को लिखते अथवा बोलते समय बीच में कहीं थोड़ा-बहुत रुकना पड़ता है जिससे भाषा स्पष्ट, अर्थवान एवं भावपूर्ण हो जाती है। लिखित भाषा में इस

ठहराव को दिखाने के लिए कुछ विशेष प्रकार के चिह्नों का प्रयोग करते हैं। इन्हें ही विरामचिह्न - कहा जाता है।

हिंदी में प्रचलित प्रमुख विराम चिह्न निम्नलिखित है-

(1) अल्प विराम (Comma) (,)

(2) अर्द्ध विराम (Semi colon) (;)

(3) पूर्ण विराम (Full-Stop) (।)

(4) उप विराम (Colon) [:]

(5) विस्मयादिबोधक चिह्न (Sign of Interjection) (!)

(6) प्रश्नवाचक चिह्न (Question mark) (?)

(7) कोष्ठक (Bracket) (())

(8) योजक चिह्न (Hyphen) (-)

(9) अवतरण चिह्न या उद्धरणचिह्न (Inverted Comma) ("... ")

(10) लाघव चिह्न (Abbreviation sign) (o)

(11) आदेश चिह्न (Sign of following) (:-)

प्रश्न 10 निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न लगाइए -

1. सोहन मोहन वेदांत और राम मेला देखने गए हैं
2. संज्ञा के भेद हैं व्यक्तिवाचक भाववाचक जातिवाचक
3. राधा चिल्लाते हूए निकल जाओ यहां से
4. मेला लगा था लोग चीजें खरीद रहे थे
5. अरे तुम इतनी जल्दी उठ गए
6. जीवन एक संघर्ष
7. नहीं मैं परसों जा रहा हूँ
8. सुनो सुनो वह क्या कह रही है
9. सुरेश कल तुम कहाँ गये थे
10. देवियो आप हमारे देश की आशाएँ है
11. मोहन ने कहा 'मैं कल पटना जाऊँगा
12. मैंने बहूत परिश्रम किया परंतु फल कुछ नहीं मिला
13. 2 अक्टूबर सन् 1869 ई० को गाँधीजी का जन्म हूआ
14. यह घड़ी ज्यादा दिनों तक नहीं चलेगी यह बहूत सस्ती है
15. कृष्ण के अनेक नाम है मोहन गोपाल गिरिधर आदि